

26/4/22 को वस

Handwritten signature or mark at the top center.

26/4/22

पंजाब की राजधानी लाहौर प्राचीन राज्य राजपूत राजधानी  
 राजा जयचमर राणा लखी इर कोने का उपनिवेश  
 किया गया। सन् 1857 में पंचायत - 909.B. ने  
 प्रस्ताव तैयार कर - 925.B. तहसील  
 इरगाँव गाँव को जाने वाला रास्ता जो  
 वर्तमान में - 5, 6, 15, 16, 25 व मुं. नं. -  
 40 में किला नं. - 5, 6, 15, 16, 25 व मुं. नं. - 40  
 के किला नं. - 5, 6, 15, 16, 25 व मुं. नं. - 40  
 के किला नं. - 5, 6, 15 में काफ़ी पुराना चल  
 रहा है लेकिन विकास के इतर रास्ता लखी इर  
 नहीं है प्राचीन इरगाँव वर्तमान रास्ता लखी इर  
 कावने का निवेश किया। प्राचीन के प्रस्ताव  
 पर तहसीलदार इरगाँव से चारा 8(2) राज.  
 उपनिवेशन (सादा उपनिवेशन) सन् 1955 के  
 तहत प्रस्ताव तैयार करे हेतु लिखा गया।  
 तहसीलदार, इरगाँव से चारा 8(2) राज.  
 उपनिवेशन (सादा उपनिवेशन) सन् 1955 का  
 प्रस्ताव प्राप्त हुआ।

इतर रास्ता में जिन कारकाय की  
 कृषि भी जारी है उन्होने तब उपनिवेश  
 होकर इस राज्य की लक्ष्मि प्राप्त की  
 अगर इतर वाला रास्ता का सादा विकास  
 में अंकन किया जाता है तो उन्हें को

श्रापित नहीं है। तथा रात्ता स्वीडर करने हेतु अधपति पत्र पैस किया। तद्दीलवा कृष्ण के साथ मौका पर रात्ता 40 वर्ष से चालू होना व सर्वजनित हित में रात्ता स्वीडर करने की अनुमति की गई। राज 3 अप्रिवेशन (सामान्य अप्रिवेशन) शरी 1955 की शरी 8(2) के अनुसार सरकार या सामान्य जनता के लिए रात्ते के कृषिकार के सुजन या कारकित करने के कृषिकार का प्रावधान अधिसूचना संक 4(5) अप्रि (2006) दिनांक 11.5.12 के कृष्णित अधपत्र की सुविधा हेतु रात्ता स्वीडर किये जाने का प्रावधान है। कारकित अधपत्र की सुविधा को मध्यनजर रखते हुए एक-92 जी. बी. के मुख नं. 40 पत्थ सं. - 324/425 के किला नं. - 5, 6, 15, 16, 25, मुख नं. - 41 पत्थ संख्या - 324/426 के किला नं. - 5, 6, 15, 16, 25 एवं मुख नं. - 44 पत्थ संख्या - 324/427 के किला नम्बर 5, 6 में रात्ता स्वीडर किया जाता न्यायोचित समीत होता है।

:- आदेश :-

उपरोक्त विवेचन के आचार पर राज 3 अप्रिवेशन कृषिनिपत्र 1954 के तहत राज 3 अप्रिवेशन (सामान्य अप्रिवेशन) शरी 1955 की शरी 8(2) के अनुसार सरकार या सामान्य जनता के लिए रात्ते के कृषिकार के सुजन या कारकित करने के कृषिकार का प्रावधान अधिसूचना संक 4(5) अप्रि (2006) दिनांक 11.5.12 के तहत न्यायालय को सदत अधिकारों के तहत अधपत्र की सुविधा को मध्यनजर रखते हुए एक-92 जी. बी. तद्दील कृष्ण के पत्थ सं. - 324/425 मुख नं. - 40 के किला नं. - 5, 6, 15, 16, 25, पत्थ संख्या -

तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

जारी  
नम्बर

324/426 के किला नम्बर 5, 6, 15, 16, 25  
एवं पट्टा सं- 324/427 के किला नं- 5,  
6 में 2-2 बिघा गैर मुफ्फिन रास्ता  
त्वीकृत किया जाता है। रास्ता के रूप  
में त्वीकृत रुप में संबंधित कारवाकापन  
के खाते में ही दर्ज रहेंगी। तहसीलदार, इन्फा  
रास्ते का रिकॉर्ड में निपटानुसार इमल दस्ता  
की।

मिथीप इतज दिनांक 26/4/22 को ले  
इजलाल सुनाया गया।

*Prityank*  
(प्रियंका तलनिया)  
उपखण्ड अधिकारी  
अनूपगढ़